से अधिक नहीं रोक सकती और यदि वह ऐसा करती है तो उस विधेयक को पारित मान लिया जाता है तथा इसे सम्राट की अनुमति के लिए भेज दिया जाता है। प्रतिनिधि सभा में ब्रिटेन की तरह वित्त सम्बन्धी विधेयक आरंभ होते हैं परन्तु सीनेट इन्हें परिवर्तित, संशोधित या अस्वीकृत कर सकती है। सिनेट को वित्त विधेयक का शिर्षक छोड़कर व्यवहार में सब कुछ परिवर्तित करने का व्यापक अधिकार प्राप्त है। फाइनर ने ठीक ही कहा है "प्रतिनिधि सभा द्वारा रखे गये प्रस्ताव की धाराओं के बदले नई धारा जोड़कर सिनेट वित्त विधेयक मामलों का एकमात्र स्वामी बन गया है।"

ब्रिटेन में कामन्स सभा संसद की सर्वाधिकार सम्पन्न संस्था है। विधायी और वित्त क्षेत्रों में उसे नेतृत्वकारी अधिकार दिया गया है। प्रधानमंत्री कामन्स सभा का नेता होता है। अपनी इस हैसियत से वही संसद में पेश किये जाने वाले विधेयकों तथा नीतियों को निर्धारित करता है। वह कामन्स सभा में सरकारी नीतियों को व्यक्त करता है। बजट पेश करने का काम प्रधानमंत्री की ही देखरेख में सम्पन्न होता है। अमेरिकी राष्ट्रपति कांग्रेस का नेतृत्व नहीं करता। कांग्रेस में बहुमत होने के बावजूद राष्ट्रपति इसका स्वामी नहीं हो सकता। विधेयक निर्माण में भी राष्ट्रपति का कोई हाथ नहीं होता। वह प्रतिनिधि सभा और सिनेट को भले ही प्रभावित कर ले, परन्तु ब्रिटिश प्रधानमंत्री की तरह वह उसे नियंत्रित नहीं कर सकता है। अतः ब्रिटिश प्रधानमंत्री को अमेरिकी राष्ट्रपति के विपरीत इस अर्थ में तुलनात्मक लाभ यह है कि हाउस ऑफ कामन्स उसके नियंत्रण में रहता है।

कामन्स सभा को मंत्रिमण्डल, प्रधानमंत्री और समस्त प्रशासन यंत्र को नियंत्रित करने का व्यापक अधिकार प्राप्त है। इस मामले में लोकसभा की तुलना में कामन्स सभा की स्थिति न सिर्फ शक्तिशाली बल्कि प्रभावपूर्ण है। वह प्रशासन का नियंत्रण और निरीक्षण करने वाली सर्वोच्च निकाय है। प्रधानमंत्री कामन्स सभा के बहुमत दल का नेता होता है और मंत्रिमण्डल कामन्स सभा के प्रति उत्तरदायी होती है। PTO

अपने बहुमत के बल पर ही वह सत्तारूढ़ रहता है। कामन्स सभा को बजट में संशोधन और कटौती करने का औपचारिक अधिकार प्राप्त है। बहुमत के शासन के कारण आम तौर पर यह नियंत्रण का कारगर साधन नहीं है। विपक्ष इस साधन का उपयोग करके जनमत का ध्यान सरकार की फिजुलखर्ची और अनियमितताओं की ओर आकर्षित करता है। कामन्स सभा को सरकार को नियंत्रित करने के लिए अन्य कई साधन उपलब्ध है— काम रोको प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव, निन्दा प्रस्ताव, सार्वजनिक महत्व के विषय पर बहस, प्रश्नों और सरकारी कामकाज की आलोचनाओं के माध्यम से कामन्स सभा सरकार को नियंत्रित करने का प्रयास करती है। प्रधानमंत्री की निरंकुश स्थिति और दलीय प्रतिबद्धता के लिए कठोर अनुशासन इत्यादि के कारण उपरोक्त साधन यद्यपि कारगर नहीं हो पाते, फिर भी ब्रिटेन में इनका व्यापक महत्व है और जनमत निर्माण में इन साधनों के माध्यम से कम से कम विपक्षी दल निर्णायक भूमिका का निर्वाह करता है। अमेरिका में सिनेट को राष्ट्रपति और उसके प्रशासन को नियंत्रित करने का प्रभावशाली अधिकार प्राप्त है लेकिन प्रतिनिधि सभा की स्थिति अत्यन्त कमजोर है। प्रशासन के सम्बन्ध में यद्यपि प्रतिनिधि सभा में बहस होती है परन्तु राष्ट्रपति या उसके मंत्रियों के विरुद्ध उसे कारगर कार्यवाई करने का कामन्स सभा की तरह निर्णायक अधिकार प्राप्त नहीं है।

कामन्स सभा और प्रतिनिधि सभा दोनों ही जनता की प्रतिनिधि संस्था के रूप में जनता की अपेक्षाओं और मांगों को अभिव्यक्त करती हैं। दोनों ही व्यवस्थाएँ राजनीतिक समाजीकरण के साधन है और जनता तथा सरकार के बीच राजनीतिक संचार के मुख्य स्थल है। दोनों ही संस्थाओं में प्रतिनिधिगण जनता की आवश्यकताओं को प्रस्तुत करते है और मांगों का चयन तथा संयुक्तीकरण करते है। कामन्स सभा में इस अधिकार का भरपुर प्रयोग विपक्ष करता है जबकि प्रतिनिधि सभा में सभी प्रतिनिधि खुलकर इसका प्रयोग करते है। क्योंकि वहाँ दलीय आधार पर सदन में मतदान नहीं होता और प्रतिनिधिगण दलीय नियंत्रण से लगभग मुक्त होते है। P.T.O

Scanned with CamScanner

अपनी सुझबूझ के अनुसार वे मामले उठाते है और राष्ट्रपति प्रशासन की आलोचना करते है। कामन्स सभा वास्तव में संसद का पर्याय बन गई है और उसका प्रयोग संसद के व्यापक अर्थ मे होता है। अमरीका की तरह ब्रिटेन में न्यायालय को पुनरीक्षण का अधिकार नही है। इसलिए संसद की सत्ता संप्रभु है, उसे ब्रिटिश संविधान में संशोधन करने की सर्वोच्च शक्ति प्राप्त है। कामन्स सभा की शक्ति और अधिकार इतने सर्वोपरि और पूर्ण है कि उसकी सीमाएँ नही बांधी जा सकती। डिजरेली ने कहा है कि वह संसार का सबसे अधिक प्रकम्पित करने वाली संस्था है। वास्तव मे वह प्रत्येक संभव कार्य संपन्न कर सकती है। उसकी आदरणीय प्राचीनता, स्फूर्तिदायक इतिहास, उसकी नवयुवक जैसी शक्ति और भावना, राष्ट्रीय जीवन मे उसका प्रभाव इत्यादि तथ्य उसे एक ऐसा स्थान प्रदान करते है जिसकी तुलना विश्व प्रतिनिधि सभा से ही नही बल्कि अन्य देशो की प्रथम सदनो से भी नही की जा सकती है। इस हेरोल्ड स्टेवर्ड से इस कथन से सहमत है कि "The greatest of all the differences between the British and American Constitutional Practices lies in the widely different measures of authority enjoyed by the House of representatives."

—o—